



SSC GD 2025



अवसर बेर

हिंदी

क्रिया

Part -2



LIVE 03-08-2024 06:15 P

क्रिया 02

② सकर्मक क्रिया के भेद दो होते हैं।

↓
① एककर्मक

(2) द्विकर्मक

① एककर्मक → जिस क्रिया में एक कर्म पाया जाता है उसे एककर्मक एककर्मक कहते हैं।

उदा : ① राम सुख खाता है। ② मोहन चाय पीता है।

(2) द्विकर्मक → जिस क्रिया में दो कर्म पारु जाते हैं द्विकर्मक (एककर्मक क्रिया कहलाती है।

कर्म, किलकौ, कौन

391 →

शीला ^{कौन}

गाय को
गौण कर्म

पारा ^{कर्म}

खिलानी है।

सजाव कर्म

सुरक्षा कर्म

निर्भाव कर्म

2 माँ बच्चे की बुद्धि पिता की

कर्म

गौण कर्म

कर्म
सुरक्ष

क्रिया

3 अध्यापक छात्रों की दिग्दी पढ़ाते हैं।

कर्म

गौण कर्म

सुरक्ष कर्म

क्रिया

- 1) कर्म - दिग्दी
- 2) किलकी - छात्रों की
- 3) कर्म - अध्यापक

(2) अर्थ के आधार पर क्रिया भेद → पाँच

आना, जाना

(1) प्रेरणात्मक क्रिया: → जहाँ पर वाक्य कर्ता स्वयं कार्य नहीं करता तथा दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है वहाँ प्रेरणात्मक क्रिया होती है।

उदा: → माताजी ने पिताजी से सखी मंगवायी।
मास्टरजीनेद्वारा से पत्र पढ़वाया।

शाब्दिक
अर्थ

प्रेरित करना

(2) पूर्वकालिक क्रिया :-> जब वाक्य का कर्ता एक क्रिया समाप्त करने
उसी समय दूसरी क्रिया शुरू करता है तो
पहले वाली क्रिया पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है।

पहले काल का समय

उदा :-> (1) राकेश पढ़कर सो गया।
पूर्वकालिक दूसरी क्रिया

(2) बच्चा पूछ पीकर खेलने लगा।

(3) नामधातु क्रिया ! →

वे क्रियाएँ जिनका निर्माण संज्ञा, लवनाम तथा विशेषण से होता है नाम धातु क्रिया कहलाती हैं।

उदा: ① वात → वातिमाना
② दाथ → दाथिमाना
② शर्म → शर्ममाना

④ झुठ → झुठलाना

⑤ पीला → पीलापड़ना

⑥ गरम → गरमाना

गर्म

4

सामान्य क्रिया :-> जब वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग
क्रिया जाता है। वहाँ सामान्य क्रिया होती है।

① मोहन सोता है।
क्रिया सहायक क्रिया

(2) मोहन पढ़ा। राम बीड़ा। माता जी ने खाना बनाया।

(3) सीता खेली। सोहन रोया। राम ने खाना खाया।

⑤ संयुक्त क्रिया → जब दो या दो से अधिक धातुएँ / क्रियाएँ एक साथ आती हैं वहाँ पर संयुक्त क्रिया होती है।

उदा : १) राजेश हमारे घर आता जाता रहता है। आना, जाना

(2) मोहन पत्र लिखने लगा। (लिखना, लगना)

③ शीला पाठ पढ़ने लगी। (पढ़ना, लगना)

विशेष → संयुक्त क्रिया के ॥ भेद होते हैं।

लजाती क्रिया

धातु
 चट → चटना चटाई
 पट → पटना पटाई

क्रियात्मक क्रिया

* टहलाना स्वास्थ के लिए लाभदायक होता है

क्रियासूत्र

सिद्धांत

राज पत्र लिख

रहा है

लक्ष्मण की

बुल्ले क्रिया को स्पष्ट करती है

अनुकरणात्मक

दिनादिना

मिनामिना

